

बिना स्क्रीन वाली सुबह

CooCubby · हिन्दी · The No-Screen Morning



पापा का फ़ोन टोकरी में है।

रविवार सुबह पापा बेयर ने अपना फ़ोन दरवाज़े के पास रखी टोकरी में डाल दिया। उन्होंने कहा, "आज फ़ोन यहीं आराम करेंगे।"



कब्बी टैबलेट ढूँढ़ रहा है।

कब्बी ने शेल्फ़ पर देखा। "टैबलेट?" पापा बेयर बोले, "वो भी आराम कर रहा है। आज हम खूब देखेंगे और मज़ेदार चीज़ें करेंगे।"



पहले बगीचे में!

सबसे पहले बगीचे में! कब्बी ने छोटे-से पानी के डिब्बे से टमाटरों को पानी दिया। एक, दो, तीन लाल टमाटर!



एक लेडीबर्ड!

एक लेडीबर्ड कब्बी के पंजे पर आ बैठी। कब्बी ज़रा भी नहीं हिला। उसके छह पैर थे और सात बिंदियाँ। कब्बी ने दो बार गिना।



पिप बॉल लेकर आया।

पिप खरगोश एक बॉल लेकर आया। किक मारो! लुढ़काओ! पीछे भागो! कब्बी खूब दौड़ा। फिर उसके पैर थककर डगमगाने लगे।



पेड़ पर ऑली को नींद आई।

ऊपर पेड़ पर ऑली उल्लू ने जम्हाई ली। "हू-हू। दिन में तो सोना होता है," उसने कहा और एक आँख बंद कर ली।



पापा के साथ पैनकेक।

फिर बने पैनकेक। कब्बी ने बाउल में घोल मिलाया। पापा बेयर ने पैनकेक उछालकर पलटा। एक पैनकेक नीचे फ़र्श पर गिर गया। दोनों हँस पड़े।



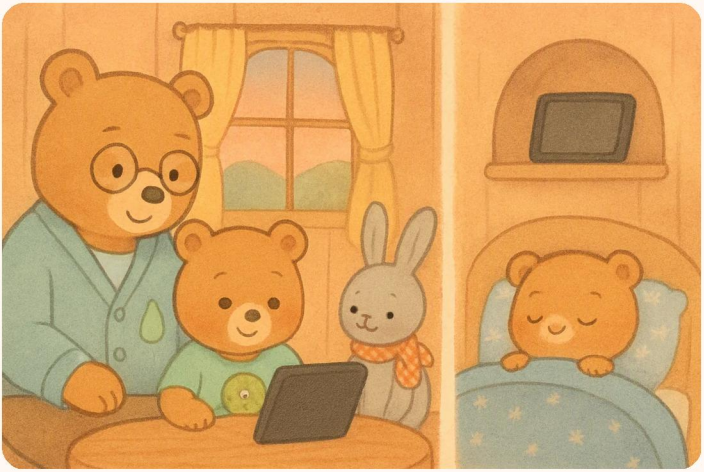
कालीन पर बैठकर स्टोरी।

पैनकेक के बाद कालीन पर बैठकर स्टोरी सुनी। पापा बेयर ने सबकी अलग-अलग आवाज़ें निकालीं। ड्रैगन की आवाज़ सुनकर कब्बी के मुँह से निकला, "ईई!"



सुबह कहाँ चली गई?

"सुबह कहाँ चली गई?" कब्बी ने पूछा। पापा बेयर बोले, "बगीचे में, बॉल खेलने में, पैनकेक बनाने में और ड्रैगन की स्टोरी में!"



स्क्रीन बस कभी-कभी।

उस शाम कब्बी ने एक छोटा-सा शो देखा। फिर टैबलेट सोने चला गया। कब्बी बोला, "स्क्रीन बस कभी-कभी। दिन में तो कितना कुछ करना है!"



CooCubby

Free picture stories for little ones, in 8 Indian languages

coocubby.com